

324⁶

पत्रावली पेश हुई वकील प्रार्थना उपस्थित, विपक्षी के लग्न बाद शामिल होकर राजिबपी से प्राप्त हुए जिसे शा ७० पर किये गये। विपक्षीगण अनुपस्थित, विपक्षीगण को कितनी मर्तवा कंक-कंक कर आवाजे डिलायी जाने के बाद भी उपस्थित नहीं, उनके विफल एक तरफा कार्यवाही किये जाने का क्षडिश दिया जाता है वकील प्रार्थना का प्रावण स्वीकार दिया जाकर निर्णय सबकु रसे लिखा जाकर शा ७० पर किया गया। पत्रावली फल श्रुमार होकर नम्बर से कम है।

✓
उपखण्ड अधिकारी
मांडल जिला भीलवाड़ा



न्यायालय उपखण्ड अधिकारी माण्डल जिला भीलवाड़ा

पीठासीन अधिकारी- मनोज, आर.ए.एस.

मुकदमा संख्या - 198/24 प्रा.पत्र

1- श्रीमती कैलाशी देवी vs श्री रतनलाल स्वटीक निवासी-स्वटीक गोहला
माण्डल तहसील-माण्डल

प्राथ

बनाम

- 1- श्री सांवरमल vs श्री नाबुराम ढाट निवासी-माण्डल तहसील-माण्डल
- 2- श्री रामकुमार vs श्री नाबुराम ढाट निवासी-माण्डल तहसील-माण्डल
- 3- राजस्थान राज्य ढारिए तहसीलदार साण्डल तहसील-माण्डल

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 111-128 रा.भू.रा.अधि. 1956

दिनांक:- 13-6-24

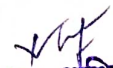
::आदेश::

प्रार्थी की ओर से एक प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 111-128 रा.भू.रा.अधि. 1956 के तहत प्रस्तुत कर निवेदन किया के ग्राम माण्डल पटवार हल्का माण्डल 1 तहसील माण्डल में उसके खाते /संयुक्त खाते की आराजी नं० 10478/8680 कुल कित्ता 0.1 रकबा 0-0322 हेक्टेयर स्थित है। वादग्रस्त भूमि के विपक्षीयण के मध्य आराजी मुतदायिवा के सीमा चिन्ह नहीं होने से आये दिन सीमा संबंधी विवाद उत्पन्न होता रहता है। जिसमें प्रार्थी अपने खाते/संयुक्त खाते की भूमि की पत्थरगढी के आदेश प्रदान कराये जावें।

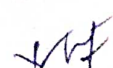
प्रस्तुत प्रार्थना पत्र इस न्यायालय में दिनांक 24-5-24 को पंजीबद्ध किया जाकर प्रकरण को अवलोकनार्थ से यह बात सिद्ध है कि वादग्रस्त भूमि प्रार्थी एवं कब्जे काश्त काश्त की होने से पत्थरगढी कराने का अधिकारी है। वैसे भी इस प्रकार के आदेश से अधिकारी निर्धारित किये जाते हैं। अतः इन तथ्यों को देखते हुए नैसर्गिक की न्यायिक सिद्धान्त के आधार पत्र स्वीकार योग्य है।

::आदेश::

प्रार्थी का प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 111-128 रा.भू.रा.अधि. 1956 का स्वीकार किया जाकर ग्राम माण्डल पटवार हल्का माण्डल 1 तहसील माण्डल में उसके खाते/संयुक्त खाते की आराजी नं. 10478/8680 कुल कित्ता 0.1 रकबा 0-0322 हेक्टेयर भूमि के चारों तरफ सीमा की पुख्ता जानकारी किये जाने हेतु पत्थरगढी किये जाने का आदेश दिया जाता है। पत्थरगढी किये जाने हेतु भू-अभिलेख निरीक्षक साण्डल को 500 रुपये/- कमिश्नर फीस पर कमिश्नर फीस जमा होने पर पक्षकरान् की मौजूदगी में मौके पर कब्जे की यथास्थिति को बनाये रखते हुए मुस्तकील बिन्दु को आधार मानकर पत्थरगढी की जावें। फसल खड़ी होने पर पत्थरगढी नहीं की जावें।


उपखण्ड अधिकारी
माण्डल जिला भीलवाड़ा

प्रतिलिपि:- तहसीलदार माण्डल को भेजकर लेख है कि प्रार्थी द्वारा राशि जमा कराने पर नियमानुसार पत्थरगढी की जाकर पालना रिपोर्ट 07 दिवस में प्रस्तुत करें।


उपखण्ड अधिकारी
माण्डल जिला भीलवाड़ा